suggest that on account of various factors, for example, global warming, deforestation, increased habitation, movement of people, etc. It has been observed that some of the very important glaciers have receded. This is not a phenomenon that is limited to the Himalayas alone. There are reports regarding shrinkages of ice packs, etc. It is, therefore, a matter of concern for the entire country. Without doubt, the Government is seized of the enormity of this question and challenge; as to what are the immediate measures that can be taken. It is self-evident that without providing a forest cover in the Himalayas that the Himalayas are used to, this denudation will continue. And, this will be detrimental to the country. Then, here is a complex mix of Central responsibility, State responsibility and the social responsibility of afforestation, etc. The Government is seriously addressing all these questions. I can assure the hon. Member that it is not that the Government has not taken note of these concerns.

भारत और पाकिस्तान के लिए हवाई सेवाओं की बहाली

*106, **श्री उदय प्रताप सिह**: क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई सेवा पुनः आंरभ करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही हैं,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ग) आतंकवादी गतिविधयों को ध्यान में रखते हुए क्या सुरक्षात्मक कदम उठाए जाने पर विचार किया गया है?

नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी) : (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया है।

विवरण

(क) तथा (ख) दिल्ली में पहली दिसम्बर, 2003 को हुई नागर विमानन पर तकनीकी स्तर की वार्ता के दौरान, भारत और पाकिस्तान दोंनो पहली जनवरी, 2004 से पारस्परिक आधार पर सीधी हवाई सम्पर्क-सेवाओं और दोनों देशों से होकर उडानों की बहाली करने के बारे में सहमत हो गए हैं। जिसकी वजह से, दोनों पक्षो की नामित विमान कंपनियां पहली जनवरी, 2004 से दोनों देशों के बीच अपनी-अपनी हवाई सेवाओं की बहाली करने के लिए स्वतंत्र होंगी।

(ग) दोनों देशों के बीच हवाई सम्पर्क-सेवाओं की बहाली करते समय नागर विमानन सेफ्टी और सुरक्षा के पहलुओं पर कोई समझौता नहीं होगा।

Restoration of air services between India and Pakistan

†*106. SHRI UDAY PRATAP SINGH: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to resume air services between India and Pakistan;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what safety steps have been considered in view of terrorists' activities?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI RAJIV PRATAP RUDI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) During the technical level talks on Civil Aviation that were held in New Delhi on 1 December, 2003, India and Pakistan agreed to resume direct air links and overflights, with effect from January 1,2004 on a reciprocal basis. With this, the designated airlines of the two sides will be free to resume their services between the two countries with effect from 1st January 2004.

(c) There would be no compromise on civil aviation safety and security aspects While restoring the airlinks between the two countries.

श्री उदय प्रताप सिहं : माननीय सभापति जी, यह तो अच्छी बात है कि हम दोबारा पाकिस्तान के साथ हवाई सम्पर्क बहाल करने जा रहे हैं। मेरा प्रश्न यह था कि भारत और पाकिस्तान में आवागमन की संभावनाएं जिस रफ्तार से बढ़ रही हैं, जिस प्रकार से व्यापारिक और दूसरे संबंध बढेंगे, इसमें केवल मुम्बई और दिल्ली से ही हवाई यात्रा की सुविधाएं दी जा रही हैं या अन्य प्रमुख हवाई अड्डों से भी यह सुविधा दिए जाने के कोई योजना सरकार ने अभी तक बनाई है? दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि किराए के मामले में प्रायः यह देखा जाता है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अभी आप पहले क्वेश्चन का जवाब पूछ लीजिए ।

श्री राजीव प्रताप रूडी : सभापति महोदय, दिनाकं 1 दिसम्बर, 2003 को भारत और पाकिस्तान के बीच में जो वार्ता हुई, उसमें तीन प्रकार की सहमति हुई जिसमे दोनों देशों के बीच प्वाइंट सेवाएं

†Original notice of the question was received in Hindi.

प्रारंभ करने की बात हुई । उसके पश्चात दोनों देशो के ऊपर जो एयर स्पेस है, उसमें विमान सेवाएं जा सकती हैं, इसकी सहमति हुई । साथ-साथ पाकिस्तान के साथ हमारा जो एयर सर्विसेज एग्रीमेंट है 1976 का, उस पर फिर से विचार-विमर्श करने की बात हुई । यह भी तय हुआ कि दोनों देशों के बीच में विमान का जो आकार है, उसे 747 सीरीज तक बढाने की सहमति प्रदान की गई । वार्ता के क्रम में यह भी तय हुआ कि जो नए point of call हैं, उन पर विचार किया जाएगा । भारत के लिए पाकिस्तान में अभी points of call कराची और लाहौर हैं, उसी तरह पाकिस्तान के लिए भारत में point of call दिल्ली और मुबंई हैं। जब आगे वार्ता होगी और इस बारे में प्रस्ताव आएगा तो उस पर विचार किया जाएगा ।

श्री उदय प्रताप सिंह : सभापति महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि इसको प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए क्योंकि अगर आप सिंगापुर जांए तो शायद सस्ता पडेगा लेकिन कराची और लाहौर का किराया शुरू से ही ज्यादा रखा गया है। अगर हम सदभाव के तहत प्रोत्साहन देना चाहते हैं तो यह जरूरी है कि कम किराए पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए। क्या इस पर सरकार कुछ विचार कर रही है?

श्री सभापति : अभी तो विचार नहीं किया होगा ।

श्री राजीव प्रताप रूडी : सभापति महोदय, जहां तक अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं का प्रश्न है, यह प्रतिस्पर्धा पर आधारित है और इसमें यहां से निर्धारित करना कि किराए में कमी की जाएगी, यह संभव नहीं है।

श्री सभापति : जब आप किराए तय करो, उसके पहले इनकी राय ले लेना ।

श्री राजीव शुक्ल: माननीय सभापति जी, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पहले जब विमान सेवा दोनों देशों के बीच में चल रही थी तो पाकिस्तान एयरलाइंस की फ्लाइट इंडिया आती थी लेकिन इंडियन एयरलाइंस या एयर इंडिया की कोई फ्यलाइट वहां नहीं जाती थी । इस बार क्या भारतीय विमान सेवाएं भी वहां जाएगी या सिर्फ पाकिस्तान की विमान सेवाएं यहां से शुरू होगीं ?

श्री राजीव प्रताप रूडी : यह दोनों देशों के बीच में होगा और इसके पूर्व भी यह व्यवस्था रही है। पहले दिल्ली से कराची के बीच में तीन विमान सेवाएं थीं, मुम्बई से कराची के बीच पांच विमान सेवाएं थी और दिल्ली से लाहौर के बीच चार विमान सेवाएं उपलब्ध थी ।

श्री राजीव शुक्ल : पहले चल रही थी लेकिन बाद में वे बंद हो गई थी । इंडियन एयरलाइंस बहुत पहले से बंद थी ।

श्री राजीव प्रताप रूडी : अब दोनों देशों के बीच ये विमान सेवाएं शुरू की जाएंगी ।